



संख्या ८५

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

लं २८] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई १२, १९८६ (आषाढ़ २१, १९०८)

भ. २८] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 12, 1986 (ASADHA 21, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या हो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची	पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I--खण्ड १--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधिवालिक नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संबंधित अधिकारियों से संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएँ	495	
भाग I--खण्ड २--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएँ	759	
भाग I--खण्ड ३--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और अधिकारियों के नियमों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएँ	*	
भाग I--खण्ड ४--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएँ	1027	
भाग II--खण्ड १--विधिवालिक नियम	*	
भाग II--खण्ड १-क--अधिकारियों शादीदेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	
भाग II--खण्ड १-ख--विधिवालिक नियम विधिवालिक नियमों के विवर में विवरण	*	
भाग II--खण्ड ३--उप-खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और उच्चतम विधिवालिक नियमों के विवरणों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य, सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां प्राप्ति भी शामिल हैं)	*	
भाग II--खण्ड ३--उप-खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय विधिवालिक नियमों (संघ शामिल की जानी वाले सभी नियमों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियमों की गई अधिसूचनाएँ	*	
भाग III--खण्ड १--उच्चतम न्यायालयों, विधिवालिक नियमों द्वारा जारी की गई सामान्य, सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां प्राप्ति भी शामिल हैं)	*	
भाग III--खण्ड 2--पैठेन्ट कार्पोरेशन द्वारा जारी की गई पैठेन्टों और हिन्दू इनोटिंगों से संबंधित अधिसूचनाएँ	*	20981
भाग III--खण्ड 3--मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन उच्चाय द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ	*	433
भाग III--खण्ड 4--विधिवालिक नियमों की गई अधिसूचनाएँ	*	1273
भाग IV--गैर-सरकारी अविनायों और गैर-सरकारी विनायों द्वारा विकापन और नोटिस	*	105
भाग V--इंडिया और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुप्रयोग	*	

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

1-141G/186

## CONTENTS

PAGE	PAGE		
<b>PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..</b>	<b>495</b>	<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules &amp; Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by general Authorities (other than Administration of Union Territories) .. .. *</b>	<b>*</b>
<b>PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. ..</b>	<b>759</b>	<b>PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .. .. *</b>	<b>*</b>
<b>PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence .. ..</b>	<b>—</b>	<b>PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .. ..</b>	<b>20981</b>
<b>PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .. .. ..</b>	<b>1027</b>	<b>PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs .. .. ..</b>	<b>433</b>
<b>PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations .. .. ..</b>	<b>—</b>	<b>PART III—SECTION 3—Notification issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. ..</b>	<b>—</b>
<b>PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills .. .. ..</b>	<b>*</b>	<b>PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. ..</b>	<b>1273</b>
<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. ..</b>	<b>*</b>	<b>PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies .. ..</b>	<b>105</b>
<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories .. .. ..</b>	<b>*</b>	<b>PART V—Supplement showing Statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi .. .. *</b>	<b>*</b>

---

\*Folio Nos. Not received.

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

## गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1986

सं० 20012/1/84-हिन्दी-2—दग मंत्रालय के ता० 26 जून 1985 के संक्षेप राज्या 20012/1/84-हिन्दी-2 के बहुत गठित हिन्दी गलाहकार भवित्व के सम्बन्ध श्री शीकान्त शर्मा, संसद राजस्व (राज्य सभा) का सा० 25 मई, 1986 को निधन होने के कारण वे अब इस गमिति के मद्दत्य नहीं रहे।

नदा निकूल निकूल, उत्तर प्रदेश भारत गणराज्य  
एवं

## सदस्य-सचिव

गृह मंत्रालय की हिन्दी भालहकार समिति

## विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

## विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली-110016, दिनांक 27 मई 1986

## संबल्प

मं० ई-11017/5/84-हिन्दी—भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने वैज्ञानिक विषयों पर हिन्दी में लिखी गई भौतिक पुस्तकों के लेखकों को पुरस्कृत करने के लिए एक योजना लागू करने का निर्णय लिया है। इस योजना की प्रमुख बातें निम्नलिखित हैं:—

## 1. योजना का नाम

योजना का नाम “विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग पुरस्कार योजना” होगा।

## 2. उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी की चार शाखाओं नामतः इंजीनियरी भौतिकी जीवन और रासायनिक विज्ञान में हिन्दी में भौतिक पुस्तकों लिखने को प्रोत्साहित करना है।

## 3. पुरस्कार की गणित

हिन्दी में भौतिक पुस्तकों के लिए निम्नलिखित पुरस्कार दिये जायेंगे।

पहला पुरस्कार..... 15,000 रुपये

द्वितीय पुरस्कार..... 18,000 रुपये

तीसरा पुरस्कार..... 5,000 रुपये

यह पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी की चारों शाखाओं नामतः इंजीनियरी भौतिकी जीवन और रासायनिक विज्ञान में भौतिक-प्रकाशित दिये जायेंगे।

4. यह योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा चलायी जायेगी।

5. पुरस्कार सन् 1987 से आरंभ होंगे और प्रत्येक कालेंडर वर्ष के लिए दिये जायेंगे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग पुरस्कारों के लिए लेखकों के आवेदन-पत्र प्रमेजी और हिन्दी के समाचार-पत्रों में सूचना प्रकाशित करके घासित करेगा।

6. लेखक अपने आवेदन निर्धारित फार्म पर भरकर “संयुक्त सचिव (प्रशासा), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, (विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय), ईन्होनीलीसी भवन, नया महरौली मार्ग, नई दिल्ली-110016” को भेजें। अपने आवेदन-पत्र के गाथ विज्ञारार्थ पाठ्युलिपियाँ/प्रकाशित पुस्तकों भी लेखकों को निर्धारित संख्या में भेजनी होगी।

## 7. पुरस्कार योजना में भाग लेने के लिए पात्रता

(i) विभिन्न वैज्ञानिक विभागों तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, यांत्रिकी, वायुमाल इत्यादि, पर्यावरण विभाग, गैर-पारम्परिक ऊर्जा व्योत, वैज्ञानिक और अनुसंधान और जैव प्रौद्योगिकी विभागों में कार्य करते वाले व्यक्तियों को छोड़कर सभी भागी भागीय नागरिक हम स्कीम में भाग ले सकते हैं।

(ii) इस योजना में प्रकाशित पुस्तकों पर विचार किया जायेगा।

(iii) पाद्य पुस्तकों प्रथम से लेकर तीसरे तिन्हों विशिष्ट स्तर से कक्षाओं में पढ़ाने के लिए तैयार किया गया है तथा वर्षों के लिए लिखी गई पुस्तकों को इन प्रतियोगिताओं में शामिल नहीं किया जाएगा।

(iv) जिन लेखकों की पुस्तकों को इन प्रतियोगिताओं में शामिल किया जाएगा उनका अपनी पुस्तकों पर कापीराइट बना रहेगा।

(v) जिन पुस्तकों को इन प्रतियोगिताओं के लिए पहले पेश किया जा चुका होगा उन्हें इन प्रतियोगिताओं के लिए दौवारा प्रस्तुत नहीं किया जा सकेगा। लेखकों को आवेदन-पत्र के साथ अपने प्रकाशित भूत्या पाठ्युलिपि की साफ टाइप की गयी प्रतियोगी प्रस्तुत करनी होगी। साफ टाइप न की गयी प्रतियोगी को प्रस्तीकार किया जा सकता है।

(vi) इस विभाग को पुरस्कार के लिए पुस्तकों का चयन करने और इस प्रकार के चयन के लिए लागू होने वाले नियमों का निर्माण करने का एक मात्र अधिकार होगा।

(vii) जिन भौतिक पुस्तकों को इस पुरस्कार के लिए प्रस्तुत किया जायेगा, उनको पुरस्कार के वर्ष से पिछले तीन वर्षों में प्रकाशित होना चाहिए।

(viii) पाठ्युलिपियों को इस प्रतियोगिता योजना के लिए उसी भूत्या में पुरस्कार प्रदान किया जायेगा यदि उनके साथ लेखक की यह लिखित वजनवदता भासी है कि प्रारंभ उसी पाठ्युलिपि को पुरस्कार के लिये चुन लिया गया था तो इस प्रकार के पुरस्कार दिये जाने की सूचना मिलने के 6 मास के भीतर इसका प्रकाशन कर दिया जायेगा। पुरस्कार की राशि पुस्तक के प्रकाशन के बाद दी जायेगी।

(ix) जिन पुस्तकों को भारत सरकार या राज्य सरकार या राज्य शासित प्रवेश के प्रशासन की किसी योजना के अधीन एक बार पुरस्कार दिया जा चुका होगा उन्हें इस योजना में शामिल नहीं किया जायेगा।

(x) हेतु लेखक किसी वर्ष में प्रथम विषय के लिये केवल एक पुस्तक विधारार्थ प्रस्तुत कर सकता है। वह एक ही वर्ष में विभिन्न विषयों में पुरस्कार प्राप्त करने का पात्र होगा।

#### 8. सामान्य शर्तें:—

(i) यदि पुरस्कार प्राप्त करने वाली किसी पुस्तक के एक से अधिक लेखक हैं तो पुरस्कार कि राशि को उनमें बराबर-बराबर बांट दिया जायेगा।

(ii) यदि किसी वर्ष भूल्यांकन समिति किसी भी पुस्तक/पांडुलिपि को पुरस्कार दिये जाने के उपर्युक्त नहीं समझती है तो भूल्यांकन समिति अपने विवेत पर इस पुरस्कार को रोक सकती है।

(iii) पुरस्कार प्रदान किये जाने या पुरस्कार के लिए पुस्तकों के बचत की प्रक्रिया के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं किया जायेगा।

(iv) यह पुरस्कार हर कलैण्डर वर्ष में विद्या जायेगा और यदि किसी कलैण्डर वर्ष के लिए उपर्युक्त पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं तो उस वर्ष पुरस्कार नहीं दिये जायेंगे।

#### 9. भूल्यांकन समिति

(i) पुरस्कार प्रदान किये जाने के लिये पुस्तकों/पांडुलिपियों का बचत करने के लिये भूल्यांकन समिति ही है।

(ii) इस भूल्यांकन समिति में अध्यक्ष को मिलाकर 5 सदस्य होंगे। यदि आवश्यक समझा गया हो तो अतिरिक्त सदस्यों को सह-योजित किया जा सकेगा।

(iii) भूल्यांकन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति विशाल और ब्रौडोगिकी विभाग के संविध द्वारा की जायेगी। भूल्यांकन समिति का अध्यक्ष विभिन्न विषयों में आवश्यकता-नुसार विशेषज्ञों को इस समिति के साथ संबंधित कर सकता है। इस प्रकार संबंधित किये गये विशेषज्ञों की हैरियत केवल सलाहकार की होगी।

(iv) यदि भूल्यांकन समिति का कोई सदस्य इस पुरस्कार योजना में शामिल होना चाहता है तो वह उस वर्ष के लिये भूल्यांकन समिति का सदस्य नहीं होगा। भूल्यांकन समिति द्वारा लिया गया किसी अतिम और हर लिहाज से बाधकारी होगा और उसके लियाँ किसी प्राविकारी को कोई अधील नहीं की जा सकेगी।

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 18th June 1986

No. 20012/1/84-Hindi II.—Shri Srikant Varma, M.T. (Rajya Sabha), a member of the Hindi Sahakar Samiti of the Ministry of Home Affairs (constituted vide this Ministry's Resolution No. 20012/1/84-Hindi II dated 26th June, 1985) ceased to be member of the Samiti on account of his demise on 25th May, 1986.

M. M. SHARMA, Dy. Secy.  
& Member-Secy.  
Hindi Sahakar Samiti of the  
Ministry of Home Affairs.

(v) इस समिति का कार्यकाल इसके गठन की तारीख से तीन वर्ष तक होगा। भूल्यांकन धर्मसिद्धि के अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों को उनके द्वारा किये गए भूल्यांकन कार्य के लिए व्याविधारित मानवेय दिया जायेगा।

(vi) भूल्यांकन समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को नियमानुसार याताहीनिक भासे प्रदान किये जायेंगे।

#### 10. कुछ अन्य सामान्य बातें:

मौलिक पुस्तक का आशय निम्नलिखित प्रकार की पुस्तक से है:—

(i) जो प्रतियोगी/लेखक द्वारा स्वयं सूल रूप से हिन्दी में लिखी गई हो;

(ii) जो किसी लेखक द्वारा किसी अन्य भाषा में लिखी गई पुस्तक अथवा लेख का प्रतियोगी द्वारा किया गया अनुवाद न हो;

(iii) जो प्रतियोगी द्वारा स्वयं किसी अन्य भाषा में लिखी गयी पुस्तक का स्वयं उस प्रतियोगी द्वारा अथवा किसी व्यवसायिक अनुवादक द्वारा दीयार किया गया अनुवाद न हो;

(iv) जिसे प्रतियोगी ने मूल रूप से हिन्दी में अथवा किसी अन्य भाषा में अपनी भास्तवीय हैरियत से तथा अपने सरकारी कामकाज के एक भाग के रूप में न लिखा हो;

(v) जो प्रतियोगी द्वारा स्वयं अथवा किसी व्यवसायिक अनुवादक द्वारा किया गया किसी ऐसी पुस्तक अथवा लेख का हिन्दी अनुवाद न हो जिसे लेखक ने अपनी अपेक्षा अथवा किसी अन्य भाषा में अपनी शासकीय हैरियत से तथा अपने नरकारी कामकाज के एक भाग के रूप में लिखा हो;

(vi) जो लेखक द्वारा स्वयं अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दीयार किया गया विस्तृत/संक्षिप्त रूप से अथवा तार न हो जिसे लेखक ने अपनी शासकीय हैरियत से तथा अपने सरकारी कामकाज के एक भाग के रूप में अपनी अपेक्षा अथवा किसी अन्य भाषा में लिखा तथा/अथवा प्रशारित कराया हो।

11. विज्ञान और ब्रौडोगिकी विभाग को इस योजना में संशोधन करने का अधिकार रहेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति भारत सरकार के सभी भास्तवीय और विभागों, राज्य सरकारों, भारत के विद्यविद्यालयों तथा सामाजिक एजेंसियों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सार्वजनिक सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

आरुण साहू, अवर सचिव

#### DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY)

New Delhi-110016, the 27th May 1986

No. E-11017/5/84-Hindi.—Government of India in the Department of Science and Technology have decided to implement a scheme of awarding cash prizes to the authors of original works in Hindi in the various scientific subjects:

#### 1. Name of scheme:

This scheme will be called "Department of Science and Technology Award Scheme".

#### 2. Objectives:

The scheme aims at encouraging writing of original works in Hindi in the four branches of science and technology,

viz. Engineering Sciences, Physical Sciences, Life Sciences and Chemical Sciences.

### 3. Value of the award:

The following, prizes will be awarded for original works in Hindi:

First Prize.....	Rs. 15,000
Second Prize.....	Rs. 10,000
Third Prize.....	Rs. 5,000

These prizes will be awarded separately in all the four branches of science and technology viz. Engineering Sciences, Physical Sciences, Life Sciences and Chemical Sciences.

4. This scheme will be run by the Department of Science and Technology.

5. The prizes will commence from 1987 and will be awarded during every Calender year. The Department of Science and Technology will invite applications for award of prizes from the authors through the publication of advertisements in leading Englishing and Hindi newspapers.

6. The authors will submit their application on the prescribed forms duly filled in, and send them to the 'Joint Secretary (Admn.), Department of Science and Technology, (Ministry of Science and Technology), Technology Bhavan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016'. They will also submit requisite number of their manuscripts/published work alongwith their applications.

### 7. Eligibility for participation in the prize scheme:

(i) This scheme is open to Indian citizens only, except those employed in the Scientific Departments viz. DST, DOE, DOD, DOEN, DAE, DOS, DNES, DSIR and DBT.

(ii) Both the published works and the manuscripts will be considered under this scheme.

(iii) Text books, i.e. books prepared specifically for class-room instructions, and books intended for children will not be eligible for Competitions under this scheme.

(iv) The authors of books entered for the competition will be entitled to copy-right of their books.

(v) Entries submitted on earlier occasions for this competition will not be admissible. The authors will be submitting copies of their published works or legibly typed manuscripts thereof. Illegibly typed copies of the manuscripts are likely to be rejected.

(vi) This Department will have the sole right of selection of books for the award and formulation of rules governing such selection.

(vii) The original works will be required to have been published within the preceding three years, including the year of the award.

(viii) Manuscripts will be awarded under the competition scheme only if these are accompanied by a written undertaking from the author that in case his manuscript is selected for a prize, it will be published within six months of the declaration of the result. The amount of prize in such cases will be given to the author after the publication of the manuscripts.

(ix) Books once awarded a prize under any other scheme run by the Government of India or a State Government or Administration of the Union Territory shall be ineligible for entry under this scheme.

(x) Any author may submit not more than one entry in each category under the scheme. However, he will be entitled to award of prizes in the different subjects in the same year.

### 8. General terms and Conditions :

(i) If there are more than one authors of any prize winning entry, the amount of award shall be distributed equally amongst the authors.

(ii) If during any year, the evaluation committee do not find any published work manuscript suitable for the award, they can withhold the award at their discretion.

(iii) No correspondence will be entertained regarding the selection of books for awarding of prizes or the procedure regarding the selection of books for the award.

(v) The prizes will be awarded every calender year and if suitable books are not available for any calender year, no prizes will be awarded during that year.

### 9. Evaluation Committee :

(i) There will be an Evaluation Committee to select the books/manuscripts for the award of prizes.

(ii) The Evaluation Committee shall consist of five members including the chairman. Additional members may be coopted, if considered necessary.

(iii) The Chairman and the members of the Evaluation Committee will be appointed by Secretary, Department of Science and Technology. The Chairman of the Evaluation Committee, where necessary may associate with the Committee, experts in the respective disciplines. The capacity of the experts so associated will only be advisory.

(iv) If any member of the Evaluation Committee wishes to participate in the scheme, he will cease to be a member of the Evaluation Committee for that particular year. The decision taken by the Evaluation Committee shall be final and binding in all respects and no appeal thereof lie to any authority.

(v) The term of the Committee will be for a period of three years from the date of its constitution. Honorarium as may be fixed shall be paid to each member including the Chairman of the Evaluation Committee for the work of evaluation undertaken by him.

(vi) Non official members of the evaluation Committee will be entitled to TA/DA, as admissible under the rules.

### 10. Other conditions :

Original Hindi books will mean the following :—

- (i) Which have been written originally in Hindi by the competitor/author;
- (ii) which should not be a Hindi translation done by the competitor of any books or author written in some other Language;
- (iii) which should not be a Hindi version of any books written in any other language by the competitor himself or by some professional translator;
- (iv) which should have not been written by the competitor in Hindi or in any other language in his official capacity or as a part of his official work;
- (v) which should not be a Hindi translation of any book translated either which by the competitor himself or by some professional translator, which has been written by the author either in English or in any other Indian language in his official capacity or as a part of his official work;
- (vi) which should not be an exhaustive/abridged version or summary prepared by the author or by any other person which the author has got written/published in English or in any other language in his official capacity or as part of his official duties; and
- (vii) which should not be any book written under either any governmental contract or under any other governmental scheme.

11. The Departmental of Science and Technology will have the right to modify this scheme.

### ORDER

Ordered that copy each of this resolution be sent to all the state governments, all the ministries and departments of the Government of India, all the Universities of India and News agencies.

Ordered that this resolution should be published in the Gazette of India for general information.

ARUN SAHU, Under Secy.

